सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 24 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 25 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो। विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
-धीरूभाई अंबानी

हम आह भी भरते हैं तो पा जाते हैं... 2 | बगड़ते बोल: नेता की होती है... 3 | सिसोदिया को रविवार को अरेस्ट कर... 7

सदन में सीएम योगी और अखिलेश की लड़ाई तू तड़ाक पर उतरी, मचा हंगामा

- सीएम ने मुलायम सिंह पर किया कटाक्ष तो भड़क गये अखिलेश
- सीएम पर हमला करते हुए पूछा चिनमयानंद किसके थे गुरू
- पहली बार योगी और अखिलेश में हुई इतनी तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा में प्रयागराज में एक गवाह उमेश पाल की दिनदहाड़े हत्या का मामला गूंजा। मुख्य विपक्षी पार्टी सपा ने इस मामले को जोरदार तरीके से उठाते हुए योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। दोनों नेताओं बात इतनी बढ़ी की तू-तड़ाक पर आ गई।

किसी भी माफिया को नहीं छोड़ेंगे: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में कहा कि हम माफियाओं के खिलाफ हैं, उन्हें मिट्टी में मिला देंगे। उन्होंने कहा कि सपा ने ही अतीक अहमद को प्रश्रय दिया है। हम किसी भी माफिया को नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा माफियाओं की पोषक है। राजूपाल हत्याकांड में अतीक अहमद दोषी है उसे सपा ने विधायक बनाकर प्रश्रय दिया। अखिलेश यादव की तरफ इशारा करते हुए योगी ने कहा कि आप खुद माफियाओं का पोषण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव द्वारा भाजपा की पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी पर सवाल उठाने पर कहा कि पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी का सबसे बड़ा प्रमाण जनता का आदेश है। जनता ने भाजपा के पक्ष में लगातार लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 के साथ ही यूपी विधानसभा चुनाव 2017 और 2022 में जनादेश दिया है। यह पॉलिटिकल क्रेडिबिलिटी का सबसे बड़ा प्रमाण है।

'सरकार पूरी तरह से विफल हुई'

इस पर अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी की भाषा पर सवाल उठाए। इस पर सदन में कुछ देर के लिए हंगामा हो गया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महना के दखल के बाद सदन की कार्यवाही फिर से चलने लगी। मुख्यमंत्री विधानसभा में राज्यसभा के अभिभाषण पर सदन को संबोधित करने वाले थे पर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह की गोली मारकर हत्या का मुद्दा उठाया। इससे पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था उत्तर प्रदेश में इस तरह से गोली चलना, बम चलना और गैंगवार की तरह दिखना, ये सरकार पूरी तरह से विफल हुई है। ये रामराज्य है, जहां खुलेआम बंदुकें चल रही हैं? पुलिस पूरी तरह से विफल है और इसकी जिम्मेदार भाजपा है।

शनिवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने प्रयाग राज हत्याकांड का मामला उठाया और कहा कि सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। अखिलेश की मांग पर योगी भड़क गए। उन्होंने कहा सपा सरकार के समय में माफिया हावी थे। योगी ने मुलायम सिंह यादव पर भी टिपण्णी की।

भाजपा सरकार के तहत ऐसी है सुरक्षा: अखिलेश

प्रयागराज में दिनदहाड़े हुए शूटआउट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा है। अखिलेश ने ट्वीट करके कहा है कि ये है उप्र में एनकाउंटर सरकार की झूठी छवि का सच्चा एनकाउंटर, जहां इलाहाबाद में सरेआम एक हत्याकांड के गवाह सहित दो पुलिसकर्मियों को बम-गोली से भून दिया गया। उप्र की भाजपा सरकार के तहत ऐसी सुरक्षा व क़ानून-व्यवस्था में आम जनता भयभीत है।

ये है यूपी में कानून व्यवस्था का हाल

- 47 सेकेंड में आए बदमाश बम-गोलियों से गवाह को मार डाला
- प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड में मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मात्र 47 सेकेंड में बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोली चलाई और गवाह को मौत घाट उतार दिया। इस हत्याकांड ने उप्र के कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। शुक्रवार को प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड में मुख्य गवाह उमेश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस हत्याकांड से संबंधित एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि 4 बजकर 56 मिनट 28 सेकंड पर बदमाशों ने पहले गोली दागी और 4 बजकर 57 मिनट और 15 सेकेंड पर बदमाश वारदात को अंजाम दे चुके थे। यानी इस वारदात में बदमासों ने मात्र 47 सेकेंड में अंजाम दिया। इतना ही नहीं बदमाश, उमेश पाल की गाड़ी के पीछे कचहरी से ही लग गए थे।

कचहरी से ही पीछे लग गए थे बदमाश

इस वारदात को जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया है. उसे देखकर ऐसा लगता है कि बदमाशों ने इस वारदात को पूरी योजना बनाकर अंजाम दिया है। जिस तरह से उमेश पाल के कार से उतरते ही बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया, इसे देखकर कहा जा रहा है कि बदमाश कचहरी से ही उनका पीछा कर रहे थे और जैसे ही वे कार से उतरे बदमाशों ने अपनी प्लानिंग के मुताबिक वारदात को अंजाम दे दिया।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि उमेश 4 बजकर 56 मिनट और 24 सेकेंड पर अपनी सफेद रंग की क्रेटा कार से घर के बाहर पहुंचे। वह पिछली सीट पर बैठे थे, जैसे ही वे गाड़ी से बाहर निकले तो एक बाइक सवार बदमाश वहां आ पहुंचा और उसने पिस्टल तान दी। वह कुछ समझ पाते, उससे पहले बदमाश ने गोलियां चलानी शुरू कर दी। पहली गोली लगते ही उमेश जमीन पर गिर गए। तभी दूसरा बदमाश भी आ धमका। इसके बाद उसने भी गोलियां चलानी शुरू कर दी, इस दौरान एक गनर को भी गोली लग गई। गोली लगते ही वह भी जमीन पर गिर गए।

इलाज के दौरान हुई उमेश व गनर की मौत

बदमाशों के हमले में उमेश पाल और उनके दो सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उमेश पाल और एक गनर ने दम तोड़ दिया, जबकि, दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अतीक, पत्नी शाइस्ता परवीन बेटों और भाई अशरफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या के बाद दूसरे दिन यानी शनिवार को एहतियात के तौर पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। सुलेम सराय में उमेश पाल के घर के आसपास और पोस्टमार्टम हाउस में बवाल की आशंका से पुलिस अलर्ट है। पुलिस टीम ने रात भर छापेमारी करके 20 से ज्यादा लोगों को पकड़ा है, इनसे अलग-अलग स्थानों पर रखकर पूछताछ की जा रही है। उमेश की हत्या मामले में उनकी पत्नी जया पाल ने जेल में बंद अतीक अहमद, पत्नी शाइस्ता परवीन, बरेली जेल में बंद भाई पूर्व विधायक अशरफ, अतीक के बेटों, मो.मुस्लिम और अतीक के अन्य सहयोगियों के खिलाफ साजिश, हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में धूमनगंज थाने में एफआइआर लिखाई है। अतीक के दो बेटों को रात में ही हिरासत में ले लिया था। बाकी दो बड़े बेटे उमर और अली पहले से जेल में बंद है।

देश का सपना सपा ही पूरा कर सकती है : अखिलेश

» योगी सरकार ने प्रदेश के लिए कुछ नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने बजट में कुछ नहीं दिया। देश का सपना सपा ही पूरा कर सकती है। पूर्व सीएम नोएडा दौरे पर थे। इसके तहत वो सेक्टर 63 पहुंचे। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहें।

यहां शॉल ओढ़ाकर अखिलेश यादव का स्वागत किया गया। वहीं सुरक्षा के नजरिए से नोएडा पुलिस की टीम मौके पर मौजूद है। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार ने बजट में कुछ नहीं दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री नोएडा में मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पूर्व जिलाध्यक्ष फकीर चंद नागर के सेक्टर 61 निजी आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूर्व जिलाध्यक्ष के साथ समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के एवं आगामी 2024 चुनाव को लेकर गहन चर्चा की। इस मौके पूर्व जिलाध्यक्ष फकीर चंद नागर ने बताया कि नोएडा में आयोजित मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उनके आवास पहुंचे और पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को विजय दिलाने के लिए चर्चा की।

सपा को जातीय जनगणना पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : केशव मौर्य

लखनऊ। प्रदेश में जातीय जनगणना को लेकर पक्ष-विपक्ष में छिड़ी बहस के बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर जातीय जनगणना के समर्थन की बात दोहराई है। विधानभवन स्थित कार्यालय कक्ष में कहा कि मैं जातीय जनगणना के समर्थन में हूं। जातीय जनगणना के विरोध में नहीं हूं, लेकिन अखिलेश यादव को इस संबंध में बोलने का अधिकार नहीं है। मौर्य भाजपा के पहले ऐसे नेता हैं जो खुलकर जातीय जनगणना के समर्थन की बात कर रहे हैं।केशव के बयान को सुबह उनके ट्वीट से भी जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने दैनिक जागरण अखबार पढ़ते अपनी तस्वीर शेयर कर लिखा था, बदलते मौसम के लिए रहे तैयार...। केशव मौर्य ने जातीय जनगणना के समर्थन की बात के साथ ही यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार सभी जातियों की भलाई व उत्थान के लिए शानदार ढंग से काम कर रही है। इसलिए हम लोग लगातार चार चुनाव में चौका लगा चुके हैं।

हरियाणा सरकार की गाड़ी से किया गया था जुनैद-नासिर को अगवा : ओवैसी

» पीएम मोदी पर भी बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर जुनैद-नासिर हत्याकांड का मुद्दा उठाते हुए हरियाणा सरकार पर निशाना साधा है, उनका दावा है कि इन दोनों को अगवा करने में जिस गाड़ी का इस्तेमाल हुआ था, वो गाड़ी हरियाणा सरकार के नाम पर रजिस्टर है, साथ ही उन्होंने सरकार पर मुसलमानों को हिंसा का शिकार बनाने का आरोप लगाया है।

ओवैसी का कहना है कि कई दूसरे गौ-अपराध में भी इस गाड़ी का इस्तेमाल हुआ है, न सिर्फ सरकार की सहमति से बल्कि सरपरस्ती में मुसलमानों को हिंसा का निशाना बनाया जा रहा है, गौ रक्षा, धर्मांतरण कानून ये सब बहाने हैं, गौ-माफिया और दूसरे अपराधियों को इन कानूनों के जरिए लेटरल एंट्री मिल गई है। इतना ही नहीं उन्होंने पीएम मोदी पर बनी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि बीबीसी की 2002 नरसंहार की फिल्म पर बैन लग जाता है, लेकिन लेटरल वाले अपने कारनामे आराम से यूट्यूब फेसबुक पर डाल देते हैं, क्योंकि वो बीजेपी के जा-नशीं हैं।

गुलाम नबी आजाद ने जयराम को भेजा मानहानि की नोटिस

» दो करोड़ रुपये का मांगा हर्जाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद पर टिप्पणी करने पर आजाद की ओर से एआईसीसी के महासचिव (सांसद) जयराम रमेश को मानहानि के एक मामले में कानूनी नोटिस भेजा गया है। नोटिस के अनुसार जयराम रमेश पर दो करोड़ रुपये का टोकन मनी हर्जाना मांगने के साथ आपराधिक मामला चलाने की मांग की गई है।

जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय में एडवोकेट व एसोसिएट्स नरेश कुमार गुप्ता के अनुसार आजादी की तरफ से सांसद जयराम को नोटिस भेजा गया है। नोटिस में जयराम द्वारा आजाद के पद्म विभूषण अवार्ड सहित अन्य मौकों पर टिप्पणी करने को गलत बताया गया है।

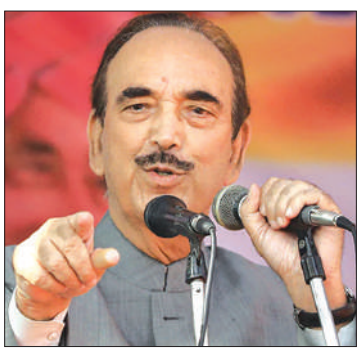

राहुल गांधी की नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी जयराम ने विभिन्न मौकों पर आजाद पर अभद्र टिप्पणी कीं। संविधान में किसी के चरित्र पर गलत टिप्पणी नहीं की जा सकती हैं। आजाद ने अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़कर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी नाम से अपनी पार्टी बनाई थी।

पंजाब सरकार अमृतपाल समर्थकों पर सख्त एक्शन लेगी : कुलदीप सिंह

» पंजाब के मंत्री ने कहा- किसी को हालात खराब करने की इजाजत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। अजनाला थाने पर हमले के मामले में पंजाब के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा है कि पंजाब सरकार हार हाल में पंजाब के अंदर शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार अमृतपाल के समर्थकों पर सख्त एक्शन लेगी। सरकार और पंजाब पुलिस कमजोर नही हैं। किसी को हालात खराब करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

वहीं पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। गत 10 सालों से पंजाब की एकता को तोड़ने की कोशिश की गई लेकिन पंजाब के लोग इकट्ठा रहना चाहते है। अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी सतिंदर सिंह ने कहा कि लवप्रीत मामले में जांच के लिए पुलिस अधिकारी तेजबीर सिंह की अगुआई में एसआईटी गठित की गई है। वह जो भी जांच कर रिपोर्ट देगी, उसके अनुसार कार्रवाई होगी।

थाने पर हमला सरकार व पुलिस की कमजोरी : मजीठिया

शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि अमृतपाल व उसके समर्थकों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को ढाल बनाकर अजनाला थाने पर हमले में पुलिस व सरकार की कमजोरी सामने आई है। मजीठिया ने कहा कि अमृतपाल चार दिन पहले से ही एलान कर रहा था कि वह अपने समर्थकों के साथ थाने का घेराव करेगा। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने खुद ही लोगों का ध्यान अपनी कार्यप्रणाली से हटाने के लिए अमृतपाल व उसके साथियों को यह कार्रवाई करने का रास्ता दिया है। सरकार और पुलिस की ढुलमुल नीति पंजाब को दोबारा काले दिनों में धकेल सकती है।

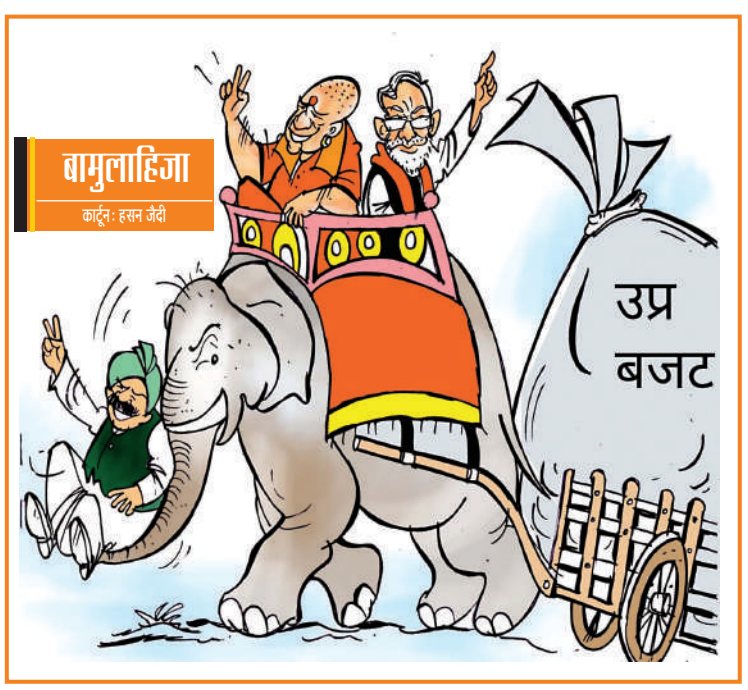

ऐसा कोई कानून नहीं जिसमें पीएम पर चुटकुले पर गिरफ्तारी हो : थरूर

» पवन खेड़ा की गिरफ्तारी पर कांग्रेस सांसद ने जताया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के अनुसार पास ऐसा कोई कानून नहीं जिसमें कोई पीएम पर चुटकुले नहीं कर सकता, या इसके अपराध में उसे गिरफ्तार किया जाए। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से उतार कर गिरफ्तार किए जाने का विरोध जताते हुए सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह चौकाने वाला है, किसी को एक मजाक के लिए आप जेल में नहीं डाल सकते हैं।

हमारे पास ऐसा कोई कानून नहीं जिसमें आप पीएम पर चुटकुले नहीं कर सकते हैं, ऐसे में असम पुलिस का यह करना अपमानजनक है। मैं सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया करता हूं कि पवन खेड़ा को तुरंत बेल मिल गई।

बिगड़ते बोल : नेता की होती है छवि खराब

भाजपा, आप व कांग्रेस सभी मांग चुके हैं माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में देखने में आ रहा है कि नेता अपनी बोली पर काबू नहीं रख पार रहे हैं। बिगड़ते बोल की बीमारी विपक्ष ही नहीं सत्ता पक्ष में भी जोरों से लगी है। इधर जब से मोदी प्रधानमंत्री बने है वह विपक्ष पर अपने कटाक्ष से हमेशा सियासी माहौल को गर्म कर देते है। जब विपक्ष हमलावर हो जाता है तब सत्ता पक्ष से जुड़ा दल जुबानी जंग में उतर जाता है। इस तरह बात कभी-कभी इतनी बढ़ जाती है कि मामला पुलिस से कोर्ट तक पुहंच जाता है। बाद में संबंधित नेता माफी मांग कर किनारा कर लेता है पर वह यह नहीं सोचता है उसकी वजह से आम जन में नेता की छवि खराब होने लगती है उसका खामियाजा चुनाव में उठाना पड़ता है।

इस तरह की बयानबाजी से राजनीतिज्ञ अपनी विश्वसनीयता खुद गंवा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद उन पर कोई असर नहीं होता क्योंकि उनके इर्दगिर्द मौजूद लोग उन्हें यह अहसास कराते हैं कि आप टीवी पर चमक रहे हैं, अखबार में छप रहे हैं, सोशल मीडिया पर छाये हैं और जनता आपके पक्ष में दिख रही है। राजनीति में एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन नेताओं को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह जो आरोप लगा रहे हैं उसका कोई आधार हो। निराधार आरोप लगाने से अनावश्यक विवाद खड़े होते हैं और फिर जब कानून का डंडा चलता है तो गलतबयानी या झूठे आरोप लगाने के लिए नेताओं को माफी मांगनी पड़ती है। राहुल गांधी ने राफेल विमान सौदा मामले में प्रधानमंत्री पर आरोप लगाये, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा तो राहुल गांधी ने सिर्फ खेद जताकर बच निकलने की कोशिश की लेकिन सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाने के लिए बिना शर्त माफी मांगी। देखा जाये तो कांग्रेस में सिर्फ राहुल गांधी ही माफीवीर नेता नहीं हैं बल्कि अब ऐसे नेताओं की संख्या पार्टी में बढ़ती जा रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि कांग्रेस सरकार के दौरान सूचना और प्रसारण मंत्री रहते हुए मनीष तिवारी तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी पर झूठे आरोप लगाने के चलते मुंबई की कोर्ट में माफी मांग चुके हैं। अब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री के स्वर्गीय पिता के लिए जो अपमानजनक शब्द प्रयोग किये उसके चलते उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गयी, मामला गिरफ्तारी और कोर्ट तक पहुँचा तो वह भी बिना शर्त माफी के लिए तैयार हो गये। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी कई नेताओं पर आरोप लगा कर बिना शर्त माफी मांग चुके हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वर्गीय अरुण जेटली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा के नेता रहे अवतार सिंह भड़ाना पर आरोप लगा कर बिना शर्त माफी मांग चुके हैं। अरुण जेटली से तो आम आदमी पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी झूठे आरोपों के लिए माफी मांगी थी।

अपनी पार्टी से भी हो गया था विवाद

कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाचते हैं। चाहे फिर अपनी ही पार्टी से विवाद क्यों न हो? उन्होंने अपने विचार खुलकर रखे हैं। पिछले साल राज्यसभा न भेजे जाने पर पवन खेड़ा पार्टी से नाराज हो गए थे। पवन खेड़ा ने बिना क्षण गवाए ट्विटर पर अपनी नाराजगी जाहिर कर दी थी। उन्होंने लिखा, शायद उनकी तपस्या में कमी रह गई होगी। खेड़ा के इस ट्वीट के बाद कांग्रेस ने उनको मीडिया और पब्लिसिटी सेल का चेयरमैन बनाया था।

1989 से कांग्रेस से जुड़े हैं पवन खेड़ा

पवन खेड़ा का राजनीतिक सफर 1989 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा शाखा से शुरू हुआ था। हालांकि, 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी। वह एक बार फिर 1998 में पार्टी में शामिल हुए, जब वह दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के राजनीतिक सचिव बने। 2013 में दीक्षित का कार्यकाल समाप्त होने तक खेड़ा इस पद पर बने रहे। 2015 के बाद से उन्हें टीवी चैनलों पर बहस और चर्चा में बेबाकी से कांग्रेस का पक्ष रखते देखा जा सकता है। वो 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की एक पोल कमेटी के संयोजक भी बने। खेड़ा के सोशल मीडिया खातों के अनुसार, वह वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, मीडिया और प्रचार और कांग्रेस के प्रवक्ता हैं।

नेताओं का बयान से पलटना नई बात नहीं

देखा जाये तो नेताओं का अपने बयान से पलटना या यह कहना कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन नेताओं को समझना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों आती है कि उन्हें अपने बयान पर खेद जताना पड़े या अदालत में मानहानि के मुकदमे के डर से बिना शर्त माफी मांगनी पड़े? इस सबसे राजनीतिज्ञ अपनी विश्वसनीयता खुद गंवा रहे हैं लेकिन इसके बावजूद उन पर कोई असर नहीं होता क्योंकि उनके इर्दगिर्द मौजूद लोग उन्हें यह अहसास कराते हैं कि आप टीवी पर चमक रहे हैं, अखबार में छप रहे हैं, सोशल मीडिया पर छाये हैं और जनता आपके पक्ष में दिख रही है। बहरहाल, पवन खेड़ा भले अपनी पार्टी का पक्ष प्रखरता के साथ रखते हों लेकिन उन्हें दूसरे दलों पर हमलावर होते हुए अपने पर काबू भी रखना चाहिए। एक केंद्रीय मंत्री के परिजन से कथित रूप से जुड़े मुद्दे को उन्होंने जिस तरह पेश किया था उसके खिलाफ उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया गया था और माफी की मांग की गयी थी। यह प्रकरण अन्य नेताओं के लिए बड़ा सबक है क्योंकि कानून का पालन करना और ज़बान संभाल के बोलने का नियम सिर्फ जनता के लिए ही नहीं बल्कि नेताओं के लिए भी होता है।

70 फीसद वोट बटोरे विपक्ष, तो होगा चमत्कार

कांग्रेस व क्षेत्रीय दलों की है जिम्मेदारी

» 24 में भाजपा को रोकना है दिखानी होगी एकजुटता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यदि सारे विपक्षी दल एक हो जाएं तो वे 70 प्रतिशत वोटों से अपनी सरकार आसानी से बना सकते हैं। विपक्षी दलों की एकता के लिए प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले भी कई पहल कर चुकी हैं। आजकल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस दिशा में काफी सक्रिय हैं। लेकिन असली सवाल यही है कि कांग्रेस इन प्रांतीय नेताओं को अपना नेता मानने के लिए तैयार हो सकेगी? और क्या प्रादेशिक पार्टियों के ये नेता- जो केंद्र में भी मंत्री आदि रह चुके हैं- वे राहुल गांधी को अपना नेता मान लेंगे? इधर रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन हो रहा है और उधर नीतीश विपक्षी दलों का सम्मेलन पटना में कर रहे हैं। विपक्ष के कुछ प्रमुख नेता राहुल के जन्म के पहले से भारत की राजनीति में सक्रिय रहे हैं, वे उन्हें अपना नेता कैसे मान लेंगे? इस समय नरेंद्र मोदी की सरकार के विरुद्ध विपक्षी मोर्चा खड़ा करना आसान नहीं है। देश में जब-जब केंद्र की कांग्रेस सरकार के विरुद्ध कोई विपक्षी मोर्चा खड़ा हुआ है, तब-तब उसका विशेष कारण रहा है। ऐसा कोई विशेष कारण आज दिखाई नहीं पड़ रहा है।

कांग्रेस का 85वां महाधिवेशन रायपुर में हो रहा है। अधिवेशन का कांग्रेस के लिए विशेष महत्व है, क्योंकि एक तो यह राहुल गांधी की भारत-यात्रा के तुरंत बाद हो रहा है और दूसरा, इस अधिवेशन में 2024 के आम चुनाव की रणनीति पर मुहर लगेगी। उससे पहले छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के कई नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापे मार दिए। इसमें 1800 पदाधिकारी और 15 हजार प्रतिनिधि भाग ले रहे है। अधिवेशन के सारे इंतजाम और खर्च का जिम्मा भूपेश बघेल की सरकार पर ही है। रायपुर के कांग्रेसियों पर पड़े छापों का असर क्या हो रहा है, यह बताने की जरूरत नहीं है। इस अधिवेशन के प्रति कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है, क्योंकि राहुल की भारत-जोड़ो यात्रा को अच्छा प्रचार मिला है। इसका पहला लक्ष्य यह है कि विपक्षी दलों को एक गठबंधन में कैसे बांधा जाए? कांग्रेस का गणित यह है कि 2019 के चुनाव में भाजपा को कुल पड़े हुए वोटों के 37.36 प्रतिशत वोट मिले थे यानी एक-तिहाई से भी कम।

इंदिरा गांधी के खिलाफ सब एकजुट थे

1967 में इंदिरा गांधी की सरकार के विरुद्ध डॉ. राममनोहर लोहिया के अभियान में न तो विचारधाराएं आड़े आई और न ही नेताओं की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं। लेकिन वह तात्कालिक एकता अल्पजीवी रही और वे सरकारें बीच में ही गिर गईं। 1977 में आपातकाल के बाद भी वैसा ही कारुणिक दृश्य देखा गया। मोरारजी देसाई और चौधरी चरणसिंह की गठबंधन सरकारें कुछ माह ही चलीं और आपसी झगड़ों ने उन्हें ढेर कर दिया। यही दृश्य विश्वनाथ प्रताप सिंह और चंद्रशेखर के अल्पकालिक प्रधानमंत्री कालों में देश ने देखा। यहां सोचना यह है कि क्या इसी तरह का कोई टेढ़ा-मढ़ा गठबंधन मोदी सरकार को गिरा सकता है? क्या देश के लगभग 90 करोड़ मतदाता किसी ऐसे गठबंधन पर भरोसा कर सकेंगे?

लोहिया और जयप्रकाश जैसे जन नेता की जरूरत

डॉ. राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, वीपी सिंह, चंद्रशेखर और अटलजी जैसे नेता क्या आज कहीं दिखाई पड़ रहे हैं? भारत के विपक्ष के पास कोई सक्षम नेता आज नहीं है तो कोई बात नहीं लेकिन उसके पास कोई सक्षम नीति तो हो! हमारे विपक्षी दलों के पास सक्षम नेता और नीति, दोनों का अभाव है। उनका आजकल सिर्फ एक काम है- छिद्रान्वेषण! यानी मोदी के लोटे में छेद ढूंढना। सरकार की हर पहल में से कोई न कोई बुराई निकालना। यह गलत नहीं है। विपक्ष को सरकार की आलोचना खुलकर करने का अधिकार है लेकिन वैसा कोई ठोस मुद्दा तो उसके हाथ लगना चाहिए। लोहिया के पास 'गूंगी गुड़िया', जयप्रकाश के पास आपातकाल और वीपी सिंह के पास बोफोर्स की तोप थी लेकिन वर्तमान विरोधियों के पास क्या है? भाजपा के विरोधियों के पास आज साम्प्रदायिकता का मुद्दा है लेकिन इससे उसका वोट बढ़ता नहीं है बल्कि कटता है। हमारे विपक्ष के पास न तो कोई ठोस तथ्य हैं और न ही तर्क! विपक्ष के मुकाबले मोदी सरकार आज भारत में और उससे भी ज्यादा विदेशों में इतनी लोकप्रिय है कि पिछली श्रेष्ठतम सरकारों से उसकी तुलना की जा सकती है। यह ठीक है कि भारत को महाशक्ति और महासम्पन्न बनाने के लिए शिक्षा, चिकित्सा और न्याय के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी और बुनियादी काम होने चाहिए थे, वे अभी बाकी हैं लेकिन क्या हमारे विपक्ष के पास कोई ठोस नीतिगत विकल्प हैं? ठोस विकल्प रहने दें, उसके पास 'गरीबी हटाओ' जैसा नारा भी नहीं है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बहुत हुआ! अब तो खत्म कर दें युद्ध

इस बीच, पुतिन ने मंगलवार को एक संबोधन में कहा कि वह अमेरिका के साथ परमाणु अस्त्र नियंत्रण संधि को निलंबित करने जा रहे हैं, जो 2011 में लागू हुई थी। वैसे, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि रूस इस संधि का उल्लंघन कर रहा है।

यूक्रेन व रुस के बीच युद्ध को आज एक साल हो गए। इस एक साल में दोनों देशों के सैकड़ों अकाल मौत के शिकार हो गए। जनहानि तो हुई ही देश की संपत्तियों का अच्छा खासा नुकसान हुआ है। लाखों लोगों को बेघर भी होना पड़ा है। इस युद्ध का असर अब तो पूरी दुनिया में दिखाई दे रहा है। उधर दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका यूक्रेन की मदद में आ गया है। उसके साथ यूरोपिय यूनियन भी खड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन अचानक यूक्रेन पहुंच गए इससे रुसी राष्ट्रपति पुतिन भी भड़क गए उन्होंने अमेरिका पर युद्ध भड़काने का आरोप लगा दिया। कुल मिलाकर बड़े नेताओं की जिद में आम जन को झेलना पड़ता है। अब समय आ चुका है कि जिद छोड़कर दुनिया के बारे में सोंचे।

चीन ने भी चिंता जाहिर की है कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। यूक्रेन युद्ध के एक साल पूरे होने के कुछ दिनों पहले अचानक कीव पहुंचकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कई अहम संदेश दिए। इस यात्रा की पहले से घोषणा भले न हुई हो, लेकिन यह पूरी तरह सुनियोजित और सुविचारित थी। अमेरिकी राष्ट्रपति का इस तरह युद्ध क्षेत्र में पहुंचना, किसी भी सूरत में सामान्य नहीं माना जा सकता। निश्चित रूप से यह यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन और सहायता जारी रखने का एक सशक्त संकेत है। यह ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका में इस बात पर राजनीतिक मतभेद बढ़ रहे हैं कि भविष्य में यूक्रेन को दी जाने वाली मदद कितनी और कैसी होनी चाहिए। खैर, बाइडन की यात्रा पूरी होते ही अमेरिकी विदेश मंत्री ने यूक्रेन को और 45 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता देने का एलान कर दिया। अमेरिका अब तक उसे 24.9 अरब डॉलर की सैन्य सहायता देने की घोषणा कर चुका है। दोनों तरफ की तैयारियों को देखते हुए यह बात पहले से कही जा रही थी कि एक साल पूरा होने के मौके पर युद्ध और तेज हो जाएगा। रूसी हमलों में संभावित बढ़ोतरी के मद्देनजर यूक्रेन तो हथियार इकट्ठा करने में लगा ही हुआ था, यह भी कहा जा रहा था कि चीन इस युद्ध में रूस से अपनी दूरी कम करने का मन बना चुका है। अमेरिका का आरोप है कि चीन, रूस को हथियारों की सप्लाई करने जा रहा है। उसने इसे लेकर चीन को आगाह भी किया है, जिसके जवाब में चीन ने भी आक्रामक तेवर दिखाए हैं। वैसे, युद्ध के शुरू होने से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन की यात्रा पर गए थे। तब दोनों देशों ने कहा था कि उनकी दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। अब जब युद्ध दूसरे साल की ओर बढ़ रहा है तो कहा जा रहा है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस जा सकते हैं। उन्हें रूस से इसका न्योता मिला है। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिका के साथ चीन-रूस की तल्खी और बढ़ेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आसान नहीं लीथियम उपलब्धता की राह

दिनेश सी. शर्मा

खदान मंत्रालय ने हाल ही में घोषणा की कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने देश में लीथियम और सोने के भंडार खोज निकाले हैं और ऐसे लगभग 51 खनिज ब्लॉक राज्य सरकारों को सौंप दिए गए हैं। लीथियम की महत्ता के कारण यह सूचना भारतीय और विदेशी समाचारपत्रों की सुर्खी बनी। यह खनिज पदार्थ लीथियम-ऑयन बैटरियों का सबसे महत्वपूर्ण घटक है और स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन तक अनेकानेक बैटरियों में प्रयुक्त होता है। इस खनिज की मांग आगे भी बहुत बढ़ने वाली है क्योंकि विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया जीवाश्म ईंधन से हटकर सतत एवं स्वच्छ ऊर्जा की ओर पहल कर रही है और इस परिवर्तन में एक बड़ी भूमिका लीथियम बैटरियों की है, जो बारम्बार चार्ज होने और लंबे समय तक ऊर्जा का भंडारण करने में सक्षम हैं।

इसीलिए लीथियम को अक्सर 'श्वेत सोना' या 'नवीन-तेल' भी कहा जाता है। खदान मंत्रालय ने पहचाने गए भंडारों में जिस भारी मात्रा में लीथियम (5.9 मिलियन टन) होने का जिक्र किया है, उसने विश्वभर को हैरान कर डाला है, क्योंकि अगर यह सच है तो विश्व के लीथियम-नक्शे में भारत 'कुछ भी नहीं' वाले पायदान से उठकर रातों-रात चोटी के 10 देशों में एक हो जाएगा। तो क्या इस घोषणा को लीथियम स्रोत की दौड़ में शामिल होने की औपचारिक प्रविष्टि माना जाए पर, खुशियां मनाने से पहले जरा गहराई में झांक लें। खदान मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में प्रयुक्त शब्द दुविधा और विरोधाभास का आभास देते हैं। इसमें कहा गया 'जीएसआई ने पहली बार सत्यापित किया है कि जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के सलाल-हैमाना इलाके में 5.9 मिलियन टन 'लीथियम-इन्फर्ड' स्रोत (जी-3) हैं।' भूविज्ञान शब्दकोश में 'इन्फर्ड' (अनुमानित) विशेषण का प्रयोग उस खनिज स्रोत के लिए किया जाता है जिसकी भूगर्भीय उपस्थिति का तो पता हो, लेकिन उसे अभी एक 'प्रामाणिक' स्रोत नहीं कहा जा सकता और न ही इसके लगातार मिलते रहने का पक्का सुबूत होता है। अब इस 'इन्फर्ड' स्रोत की वास्तविक मात्रा (टनों में) कितनी होगी, गुणवत्ता श्रेणी और खनिज तत्व कितने होंगे, अनुमान के स्तर पर यह बहुत ज्यादा भरोसेमंद नहीं होता।

संयुक्त राष्ट्र वर्गीकरण तंत्र और संबंधित खनिज तत्व नियमावली के तहत किसी खनिज की खोज के चार चरण होते हैं। इसमें जी-4 चरण का मतलब है, टोही-सर्वेक्षण के साथ

खनिज होने का अपरोक्ष सुबूत। जी-3 चरण में अनुमान की व्याख्या का आधार भू-गर्भीय, भू-भौतिकीय, भू-रासायनिक आंकड़े होते हैं। जी-2 चरण उस खनिज स्रोत की निरंतरता के बारे में है और जी-1 चरण का अर्थ है विस्तृत खोज एवं खनन। कुल मिलाकर, भू-विज्ञान शब्दकोश मंच 'इन्फर्ड' से मतलब 'सूचक' या 'नपा-तुला' नहीं है। यदि जीएसआई स्वयं अपनी खोज को जी-3 चरण वाली बता रहा है, तब लीथियम की मात्रा इतनी सटीकता से कैसे बता सकता है? सही सिद्ध होने पर यह भंडार चिली के बाद दुनियाभर में लीथियम का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत होगा। हालांकि, दावा किया जा रहा है कि कश्मीर में 'खोज पहली मर्तबा है', परंतु इससे पहले, 1990 के दशक में भी, कश्मीर में लीथियम उपस्थिति के आरंभिक संकेत मिले थे और यह निष्कर्ष 800 से ज्यादा नमूनों के परीक्षण पर आधारित था, उस वक्त जीएसआई का कहना था कि 'इस सारी पट्टी में (जहां कहीं बॉक्साइट के उघड़े उर्धव-पार्श्व दिखाई देते हैं) वहां पर उच्च-मूल्य लीथियम भी है और बॉक्साइट वाला यह परिदृश्य रियासी जिले के सलाल-रनसूह क्षेत्र में सबसे अधिक है।' इससे विभाग को लगा कि इस इलाके में लीथियम होने की 'काफी संभावना' है। यह रिपोर्ट 1999 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को सौंपी गई थी। यह वही क्षेत्र है जिसको लेकर जीएसआई ने इस साल, फिर से, लीथियम की उपस्थिति होने की सूचना दी है और दावा 'पहली बार' खोज का किया जा रहा है। हाल तक, यानी जुलाई, 2022 में भी, सरकार को कश्मीर में लीथियम भंडार की संभावना का कुछ इल्म नहीं था। जब संसद में देश में लीथियम की उपस्थिति होने के बारे सवाल पूछा गया तो सरकारी जवाब में इसे अनुपस्थित बताया गया।

भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग यह भी कह रहा है कि उसने खोज सत्र 2022-23 में अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, नागालैंड और राजस्थान में 18 लीथियम खोजी अभियान चलाए हैं। ऊर्जा प्राप्ति में स्रोत परिवर्तन और परिवहन को इलेक्ट्रिक वाहन के जरिए करने की ध्येयपूर्ति में भारत के लिए लीथियम की महत्ता के मद्देनजर सरकार को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि लीथियम की स्वदेशी उपलब्धता कितनी है। किसी दुर्लभ खनिज की खोज, खोद निकालने, प्रसंस्करण और उत्पादन के लिए ढांचागत क्षमता बनाने में कई दशक लग सकते हैं।

भारतवंशियों की बंसी से सम्मोहित अमेरिका

अरुण नैथानी

भले ही अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों में अपने हुनर-मेहनत से शिखर की सफलता हासिल करने वाले भारतवंशियों से सीधे तौर पर देश-देशवासियों को कोई सीधा लाभ न होता हो, मगर उनका भारतीय मूल का होना हमें गौरव से भर देता है। नि:संदेह, वे उस देश के नागरिक होते हैं और उनकी प्रतिबद्धता उस देश के संविधान-समाज के प्रति होती है। फिर भी हम खुशफहमी में रहते हैं। जैसा कि अमेरिका में कमला हैरिस के उपराष्ट्रपति बनने पर देश झूमा मगर उनकी तरफ से कभी कोई भाव-विभोर करने वाली पहल होती न दिखी। वहीं कश्मीर व पाक के मुद्दे पर डेमोक्रेट सरकार की नीतियां भारतीय अहसासों के अनुरूप नहीं रही। बहरहाल, इसी कड़ी में नया नाम जुड़ रहा है निक्की हेली का। यूं तो वे अमेरिकी राज्य कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर रहते हुए ख्याति अर्जित कर चुकी हैं।

फिलहाल निक्की एक बार फिर सुर्खियों की सरताज हैं। उन्होंने 2024 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार बनने की घोषणा की है। यद्यपि पूर्व व विवादित राष्ट्रति डोनाल्ड ट्रंप भी राष्ट्रपति पद के लिये अपनी दावेदारी जता चुके हैं। इसके बावजूद एक समय अमेरिका में सबसे कम उम्र का गवर्नर बनने का रिकॉर्ड बना चुकी निक्की हेली अपनी धीर-गंभीर छवि से अमेरिका के लोगों को प्रभावित करती रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप जैसे अगंभीर व विवादित छवि वाले नेता के मुकाबले निस्संदेह निक्की इक्कीस बैठती हैं। फिर वे परंपरागत व रूढ़िवादी अमेरिकी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली रिपब्लिकन पार्टी की रीति-नीतियों की हमेशा अगुवा रही हैं। दरअसल, निक्की हेली का परिवार कई दशकों पहले पंजाब से निकलकर अमेरिका में जा बसा था। उनका जन्म 20 जनवरी, 1972 में साउथ कैरोलाइना के बैम्बर्ग में हुआ। उनका पूरा नाम निम्रत निक्की रंधावा था। उनके पिता अजीत सिंह रंधावा व मां राज कौर रंधावा ने निक्की की परवरिश एक बेटे की तरह की। अकाउंटिंग में बीएससी करने के दौरान वह माइकल हेली के संपर्क में आई और वर्ष 1996 में उनसे शादी कर ली। उनकी शादी दो तरह के रीति-रिवाजों के साथ हुई। एक मेथोडिस्ट चर्च के नियमों के अनुसार और दूसरी सिख रीति रिवाजों के अनुरूप। बाद में माइकल सैन्य सेवा में चले गये। दोनों के दो बच्चे हैं। कालांतर में निक्की ने ईसाई धर्म अपना लिया। लेकिन माता-पिता की इच्छा के अनुरूप सिख धर्म से जुड़े आयोजनों में भागीदारी करती रही। प्रारंभ में वे अपने परिवार के कपड़े के व्यवसाय से जुड़ी कंपनियों में अकाउंटिंग का काम देखती रही और फिर कई नामी कंपनियों के लिये भी अकाउंटिंग का काम किया। वह महिला व्यावसायिक संगठनों से भी जुड़ी और नेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमन बिजनेस ऑनर्स की अध्यक्ष भी रही। धीरे-धीरे वह राजनीतिक क्षेत्र में अपना कद बढ़ाती चली गईं। वर्ष 2004 में साउथ कैरोलाइना से अमेरिकी संसद में पहुंचीं। वर्ष 2010 में निकी हेली अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाली पहली गवर्नर बनीं। वह तब साउथ कैरोलाइना की पहली महिला गवर्नर भी बनीं। उन्होंने अमेरिका में सबसे कम उम्र की गवर्नर बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कराया। वह ट्रंप प्रशासन में कैबिनेट रैंक हासिल करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला भी बनी।

वैसे अमेरिकी समाज और राजनीति में निक्की की राह इतनी आसान भी नहीं थी। उन्होंने स्वीकारा कि बचपन में नस्लीय भेदभाव का सामना किया था। लोगों ने उनके रंग को लेकर ताने कसे थे। उन्होंने कहा भी कि मैं न तो काले समुदाय से थी और न ही गोरे समुदाय से, मैं इनसे अलग थी। यही वजह थी कि मुझे बाहरी माना जाता था। ऐसा स्वाभाविक है पूरी दुनिया में, लेकिन अमेरिका दूसरे देशों से अलग है, अमेरिकी समाज बाहर से आये लोगों को स्वीकार करता है। महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिकी समाज में नस्लीय भेदभाव संस्थागत रूप में विद्यमान नहीं है। दरअसल, निक्की ने कैरोलाइना की असेंबली सीट जीतने के बाद राजनीति में प्रवेश किया। असेंबली में तीन कार्यकाल पूरे करने के बाद ही वे कैरोलाइना की गवर्नर बनीं। शुरुआती दौर में निक्की डोनाल्ड ट्रंप की मुखर विरोधी रही, लेकिन कालांतर में उनकी रणनीति में बदलाव आया था। अपनी असहमति को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा भी था कि वे ट्रंप की फैन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप उस हर चीज के प्रतीक हैं, जिसे हम स्कूलों में बच्चों को करने से मना करते हैं। लेकिन निक्की की डोनाल्ड ट्रंप ने मुक्तकंठ से प्रशंसा भी की।

यहां तक कि उन्होंने निक्की को वर्ष 2017 में अमेरिकी दूत के रूप में संयुक्त राष्ट्र में नामित किया, जिसके बाद निक्की को साउथ कैरोलाइना के गवर्नर पद से इस्तीफा देना पड़ा। इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में जहां अमेरिकी नीति के अनुरूप इस्राइल के समर्थन और रूस व उत्तरी कोरिया के मुखर विरोध को ही तरजीह दी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले वर्ष 2018 में उन्होंने जब अपने पद से इस्तीफा दिया तो कयास लगे कि शायद वे वर्ष 2020 के चुनाव में उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनेंगी, लेकिन उन्होंने ऐसी कोई दावेदारी नहीं की। वे सिर्फ साउथ कैरोलाइना में जनसंपर्क के कार्यों में लगी रहीं। साथ ही उन्होंने इस दौरान दो पुस्तकें भी लिखीं। लेकिन राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद कैपिटल हिल में हुई हिंसा पर उन्होंने खुलेआम ट्रंप की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि इस घटना से रिपब्लिकन शर्मिंदा है। बहरहाल, कभी निक्की हेली ने कहा था कि वह व्हाइट हाउस की रेस में शामिल नहीं होंगी। वे ट्रंप को चुनौती नहीं देंगी। लेकिन अब वे कह रही हैं कि रिपब्लिकन पार्टी को अब पीढ़ी बदलने की जरूरत है। यदि देश में नई पीढ़ी आएगी तो अर्थव्यवस्था में ताजगी आयेगी, देश और मजबूत होगा।

मटर के छिलकों से बनाएं टेस्टी सब्जी

मटर से ना सिर्फ सब्जी बल्कि परांठे, समोसे, सेंडविच और कचोड़ी भी बनती है जो सर्दियों के मजे को दोगुना कर देती है। मटर को किसी भी सब्जी में डालकर उसका स्वाद बढ़ाया जाता है। आमतौर पर लोग मटर को तो इस्तेमाल कर लेते हैं, पर उसके छिलकों को फेंक देते हैं। लोगों को लगता है कि मटर के छिलके किसी काम के नहीं हैं। पर ये सच नहीं हैं। आप मटर के छिलके से ऐसी सब्जी बना सकते हैं जिसे खाकर आपके घर वाले भी उंगलियां चाटते रह जाएंगे। इस सब्जी को बनाना बेहद आसान है। इसे आप कुछ ही मिनटों में बना सकते हैं।

बनाने के लिए सामग्री

हरी मटर के छिलके (25-30), छिले हुए आलू, 2 बड़े चम्मच तेल, आधा चम्मच जीरा, कटा हुआ प्याज, स्वादानुसार नमक, छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, अदरक-लहसुन का पेस्ट, टोमेटो प्यूरी, आधा चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच गरम मसाला पाउडर

बनाने के विधि

हरे मटर के छिलके की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले छिलकों को निकालकर एक बर्तन में अच्छे से धो लीजिए। आलू को लंबा-लंबा काटकर इसे अलग से धो लें। अब एक नॉन स्टिक कढ़ाई में तेल गर्म करें। कढ़ाई में तेल गर्म करके जीरा और प्याज डालकर उसे भून लें। इसके बाद इसमें आलू, नमक और हल्दी पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट इसे अच्छे से पकाएं। इसे ढककर तब तक पकाना है जब तक कि आलू गल ना जाए। जब आलू गल जाए तो इसमे टोमेटो प्यूरी डालकर इसे तीन मिनट तक पकाएं। टमाटर पकने के बाद इसमे मटर के छिलके जालकर पकाएं। अब कुछ मिनट के बाद इसमे बाकी मसाले डालकर अच्छे से मिलाएं। इसी के साथ आपकी ये अनोखी सब्जी तैयार है।

मखनी पनीर बिरयानी

सामग्री

250 ग्राम पनीर के चकोर कटे हुए पीस, 2 चम्मच साबुत मसाले, 3 चम्मच घी, 1 बड़ा प्याज, बारीक कटा हुआ, 3 चम्मच मक्खन, 2 कप टमाटर प्यूरी, 2-3 हरी मिर्च, 3-4 लहसुन, 1 चम्मच अदरक, एक चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच जीरा-धनिया पाउडर, 1 चम्मच तंदूरी मसाला, 1/2 चम्मच इलायची पाउडर, 1 चम्मच चीनी, 1/4 कप काजू का पेस्ट, 1/2 कप क्रीम, नमक स्वादानुसार, 6 कप उबला हुआ बासमती चावल, 1 रोस्टेड प्याज, 1/2 कप बादाम, 1/2 कप मिंट और धनिया पत्ती

बनाने की विधि

मखनी पनीर बिरयानी बनाने के लिए सबसे पहले टुकड़ों में कटे हुए पनीर के पीस को घी में डालकर ऊपर से हल्के मसाले छिड़के कर एक तरफ रख दें। गैस पर पैन में चढ़ाएं और उसमें साबुत मसाले जैसे दालचीनी, लौंग, काली इलायची, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर फ्राई करें। उसके बाद पैन में प्याज, हरी मिर्च, अदरक और लहसुन को डालकर दो मिनट के लिए अच्छे से चलाएं। फिर इसमें टमाटर की प्यूरी डालकर हल्की आंच पर दस मिनट के लिए पकाएं। सारा मसाला और सब्जियां पक जाने के बाद इसमें काजू का पेस्ट और क्रीम डालें। अब जो पनीर साइड में रख दिया था उसे भी पैन में डालकर मिक्स कर लें। हल्की आंच पर छह से आठ मिनट के लिए पकने दें। तब तक बासमती चावल को उबाल लीजिए। चावल को उबालने के लिए उसे तीन से चार बार अच्छी तरह से धो लें। अब धुले हुए चावल में पानी डालकर 30 मिनट के लिए रख दें। एक बड़े बर्तन में पानी डालकर चावल को मीडियम आंच में अच्छी तरह उबलने के लिए ढंक कर छोड़ दें। ध्यान रहे कि पानी ज्यादा रखें। जब चावल उबल जाए और आसानी से उंगली से मसलने लगे तो उसे बड़ी छलनी से छानकर प्लेट में फैला लें। पानी अच्छी तरह से निकल जाएं तो उसमे एक चम्मच घी डालकर छोड़ दीजिए लेकिन चम्मच से चलाइयेगा नहीं। कुछ देर में चावल खिल उठेंगे। एक प्याज को हल्की आंच में अच्छे से भून लीजिए। फिर एक पैन में तेल लगाकर चिकना कर लें। उस पर पनीर और चावल को एक साथ रखें। इसके ऊपर भुना हुआ प्याज और धनिया पत्ती डालकर 20- 25 मिनट के लिए हल्की आंच पर ढककर रख दें।

सेब का हलवा

सामग्री

पांच सेब, दो बड़े चम्मच घी, पांच चम्मच चीनी, एक कप फुल क्रीम दूध, आधा चम्मच दालचीनी पाउडर, दो चम्मच नारियल का पाउडर, ड्राई फ्रूट्स, इलायची पाउडर।

बनाने की विधि

सेब का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले सेब का छिलका उतार लें। अब सेब को छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में घी गर्म करें। अब इसमें बादाम डालकर हल्का सुनहरा होने तक भून कर अलग कर लें। इसी कड़ाही में कटे हुए सेब डालकर मध्यम आंच में पांच मिनट तक पकाएं। कड़ाही में दूध डालें और कम आंच पर 15 मिनट तक पकाएं। इस दौरान मिश्रण को चलाते रहें। दूध में सेब के टुकड़े स्मैश करते रहें। अब चीनी डालें। कुछ मिनट के बाद दालचीनी पाउडर, नारियल पाउडर और ड्राई फ्रूट्स को मिलाएं। जब मिश्रण अच्छी तरह से गाढ़ा होने तक भुन जाए तो गैस बंद कर दें। एक कटोरी में हलवा परोसें, ऊपर से रोस्टेड बादाम से गार्निश करें। स्वादिष्ट और सेहतमंद सेब का हलवा तैयार है।

हंसना मना है

पत्नी-सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिए? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे। पत्नी की बात सुनकर पति हैरान रह गया।

पत्नी- मैं घर छोड़कर जा रही हूं। पति- हां जान छोड़ो अब। पत्नी- बस आपकी यही जान कहने की आदत ना हमेशा मुझे रोक लेती है।

टीटी ने पिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया। टीटी- टिकट दिखाओ। पिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं। टीटी- क्या सबूत है? पिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है। पिंटू की बात सुनकर टीटी को समझ नहीं आ रहा अब इसके साथ क्या करूं।

कहानी | ब्राह्मण, चोर और दानव

एक गांव में द्रोण नाम का ब्राह्मण रहता था। वह बहुत गरीब था। ब्राह्मण जैसे-तैसे भिक्षा मांगकर अपना गुजारा कर रहा था। उसकी गरीबी को देखकर एक यजमान को उस पर दया आ गई। उसने द्रोण को बैलों का एक जोड़ा दान में दे दिया। बैलों को गौधन मानकर ब्राह्मण द्रोण उनकी सेवा पूरी लगन के साथ करने लगा। उसे बैलों से इतना प्रेम था कि वो खुद कम खाता था, लेकिन बैलों को भरपेट खिलाता था। एक दिन हटेकट्टे बैलों पर चोर की नजर पड़ गई। चोर ने बैलों को चुराने की योजना के तहत रात होते ही ब्राह्मण के घर निकल गया। कुछ दूर चलते ही चोर का सामना एक भयानक राक्षस से हुआ। राक्षस ने चोर से पूछा, तुम इतनी रात को कहां जा रहे हो? चोर ने कहा, मैं ब्राह्मण के बैल चोरी करने जा रहा हूं। चोर की बात सुनकर राक्षस बोला, चलो मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं। मैं कई दिनों से भूखा हूं। मैं उस ब्राह्मण को खाकर अपनी भूख शांत करूंगा और तुम उसके बैल ले जाना। चोर के मन में हुआ कि रास्ते के लिए एक साथी भी हो जाएगा, तो इसे साथ ले जाने में कोई बुराई नहीं है। ब्राह्मण के घर पहुंचकर राक्षस बोला, पहले मैं ब्राह्मण को खा लेता हूं, उसके बाद तुम बैल चुरा लेना। चोर ने कहा, नहीं, पहले मैं बैल चुराउंगा उसके बाद तुम ब्राह्मण को खाना। अगर तुम्हारे आक्रमण से ब्राह्मण जाग गया, तो मैं बैल चुरा नहीं पाऊंगा। फिर राक्षस बोला, जब तुम बैल खोलोगे, तो उसकी आवाज से भी ब्राह्मण जागकर अपनी रक्षा कर सकता है। मैं इस चक्कर में भूखा रह जाऊंगा। राक्षस और चोर दोनों इसी तरह बहस करते रहे। उसी बीच राक्षस और चोर की आवाज सुनकर ब्राह्मण जाग गया। ब्राह्मण को जागा देखकर जल्दी से चोर बोला, हे! ब्राह्मण देखो यह राक्षस आपको खाने आया है, लेकिन मैंने इससे आपको बचा लिया। इसने कई बार आपको खाने की कोशिश भी की पर मैंने ऐसा होने नहीं दिया। चोर की बात सुनकर राक्षस ने भी तुरंत कहा, नहीं ब्राह्मण, मैं आपको खाने नहीं, बल्कि आपके बैलों की रक्षा करने के लिए यहां आया हूं। यह चोर आपके बैल चुराने आया था। खतरे को भांपते हुए ब्राह्मण ने फटाफट डंडा उठाया और दोनों को भगा दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा। आपके प्रिय का डांवाडोल मिजाज आपको परेशान कर सकता है।

तुला

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको कुछ कामों में सफलता मिल सकती है, लेकिन आज आपको अजनबी लोगों पर भरोसा करने से बचना चाहिए।

वृषभ

किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें। अचानक यात्रा के कारण आप आपाधापी और तनाव का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज के दिन किसी खास काम को लेकर बुलावा आ सकता है। लंबे समय से चली आ रही किसी बड़ी दुविधा से आपको जल्दी ही छुटकारा मिलेगा।

मिथुन

आज अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा लेकिन दोपहर बाद स्थितियां बदलेंगी और आपका स्वास्थ्य बेहतर बनेगा। पारिवारिक जीवन में वैसे शांति रहेगी।

धनु

आज अपने चारों तरफ़ के लोगों के बर्ताव के चलते खीज महसूस करेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव खास होने का अनुभव कराएगा, इन लम्हों का पूरा लुत्फ उठाएं।

कर्क

आज किसी अप्रत्याशित स्त्रोत से आमदनी होने के संकेत हैं। यदि किसी जातक को पुरानी बीमारी है तो उस बीमारी से छुटकारा मिल सकता है।

मकर

आज आपको आपकी मेहनत का फल मिलेगा। कार्य में सफलता मिलनी शुरू हो जाएगी। दोपहर बाद आपका सितारा ज्यादा मजबूत होगा।

सिंह

खाने-पीने की ऐसी चीज़ों से बचने की कोशिश करें, जिनमें कॉलेस्ट्रॉल की ज़्यादा मात्रा है। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चो और बिल आदि को सम्हाल लेगा।

कुम्भ

आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते मधुर होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ लोगों से पूरा सहयोग मिलेगा। इनकम के नए रास्ते खुलेंगे।

कन्या

आज का दिन काफी अच्छा रहेगा क्योंकि आपको अच्छा धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। आपकी इनकम बढ़ेगी और कहीं से रुका हुआ पैसा भी वापस आ सकता है।

मीन

आज आप अपने पैसों को बचा कर रखने पर ध्यान दें। परिवार में सभी का भरपूर सहयोग मिलेगा। भाइयों तथा मित्रों की सहायता करने का अवसर मिलेगा।

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे का ट्रेलर रिलीज

दमदार मां के रोल में दिखीं रानी मुखर्जी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी काफी समय से अपकमिंग फिल्म लेकर सुर्खियों में है। एक्ट्रेस की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर काफी दमदार लग रहा है। रानी मुखर्जी ट्रेलर में शानदार परफॉर्मेंस नजर आ रही है। फिल्म नॉर्वे में रहने वाली एक बंगाली महिला के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती है।

ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि बाल सुरक्षा सेवाओं द्वारा रानी के बच्चों को उससे छीन लिया जाता है। ट्रेलर की शुरुआत मिसेज चटर्जी के नॉर्वे में नए जीवन की शुरुआत करने की कोशिश करती हैं। वह अपने परिवार के साथ नॉर्वे में नई शुरुआत करने के लिए देश छोड़ देती है। अपने बच्चों शुभ

बॉलीवुड | मसाला

और शुचि से बहुत प्यार करती है, लेकिन एक दिन, दो महिलाएं उनके बच्चों को उनसे छीन लेते हैं। जिसके बाद फिल्म की कहानी की शुरुआत होती है।

नॉर्वे और भारत दोनों ही देशों में सांस्कृतिक तौर पर कई अलगाव हैं। रहने, खाने पीने का तरिका अलग है। इसी को लेकर नार्वे के अधिकारी उनके बच्चों के पालने के तरीको को गलत मानते हैं। जब मिसेज चटर्जी अपने बच्चों को हाथ से खिलाती हैं, उनके साथ एक ही बिस्तर पर सोती हैं या अपने बच्चों को नज़र टीका लगाती हैं, जो लोगों को गलत लगता है। इस फिल्म को आशिमा चिब्बर ने निर्देशित किया है। मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे सच्ची घटनाओं

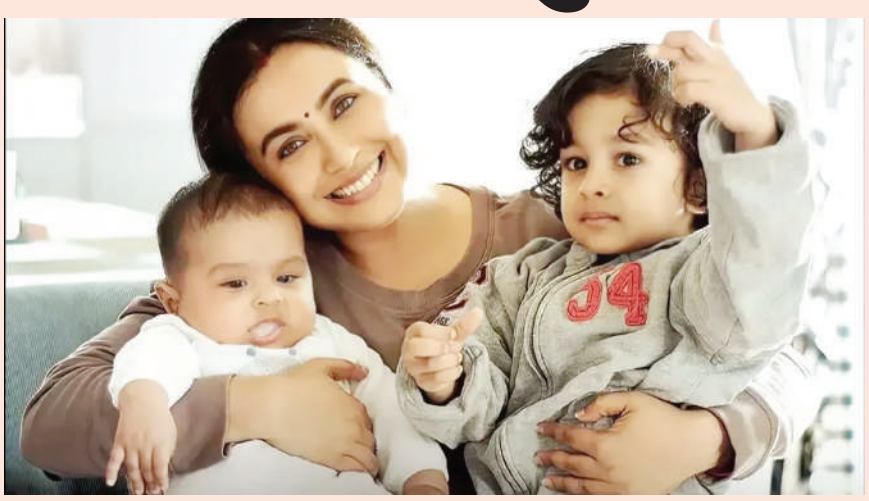

से प्रेरित है। फिल्म नॉर्वेजियन फोस्टर केयर सिस्टम और स्थानीय कानूनी मशीनरी के खिलाफ अपने बच्चों की कस्टडी वापस पाने के लिए एक अप्रवासी भारतीय मां की लड़ाई की कहानी पर आधारित है। फिल्म 21 मार्च, 2023 यानी रानी मुखर्जी के जन्मदिन पर रिलीज़ होने वाली है।

स्वरा भास्कर ने साध्वी प्राची के बयान पर किया रिएक्ट

नफरत पर हमेशा मोहब्बत की जीत होती है

विश्व हिंदू परिषद की नेता साध्वी प्राची ने स्वरा भास्कर की शादी पर बातों-बातों में कटाक्ष किया है। उनका कहना है कि स्वरा को शादी करने से पहले एक बार फिज देख लेना चाहिए था। साध्वी ने कहा कि श्रद्धा वाकर के साथ जो हुआ है वो स्वरा के साथ भी हो सकता है। अब इस स्टेटमेंट पर स्वरा का रिएक्शन आया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट को री-शेयर किया है जिसमें साध्वी के बयान की आलोचना करते हुए लिखा था कि नफरत पर हमेशा मोहब्बत की जीत होती है। दरअसल श्रद्धा वाकर को उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने 35 टुकड़ो में काटकर हत्या कर दी थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इसी को लेकर साध्वी ने स्वरा और फहाद की शादी पर निशाना साधा था।

साध्वी प्राची हाल ही में मीडिया से मुखातिब हुई थीं, इस दौरान उनसे स्वरा भास्कर की शादी पर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, स्वरा भास्कर तो हमेशा से हिंदू धर्म के खिलाफ बोलती आई हैं। मुझे कोई ताज्जुब नहीं है कि उन्होंने अपने धर्म से बाहर जाकर शादी कर ली है। साध्वी प्राची के इस स्टेटमेंट पर स्वरा भास्कर ने भी रिएक्ट किया है। दरअसल एक सोशल मीडिया हैंडल ने स्वरा-फहाद की तस्वीर पोस्ट कर लिखा था, नफरत कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन जीत मोहब्बत की होती है। इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए स्वरा ने लव इमोजी का प्रयोग किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री बुरे दौर से गुजर रही है : आशा पारेख

दिग्गज एक्ट्रेस आशा पारेख ने 'पठान' विवाद पर बात की। सेंसर बोर्ड की चीफ रह चुकीं आशा पारेख ने पैरेंट्स पर सवाल उठाए और 'पठान' पर हो रहे विवाद को गलत बताया। 'पठान' पर हो रहे विवाद पर सवाल किए जाने पर आशा पारेख ने कहा, पहली बात कि 'पठान' सेंसर्ड नहीं था, जब ये बवाल हुआ, क्योंकि यूट्यूब पर गाने आ गए थे। सेंसर बोर्ड क्यों है। अगर आप लोग बैठकर सेंसर बोर्ड करने वाले हैं। तो फिर सेंसर बोर्ड का मतलब नहीं रहता। मैं ये सोचती हूं कि सेंसर बोर्ड घर में होना चाहिए, मां बाप को होना चाहिए। मां-बाप को ध्यान देना चाहिए कि बच्चे क्या देख रहे हैं और क्या नहीं। आजल इंटरनेट है, सब सुविधाएं हैं। अगर मां-बाप नहीं देखें कि बच्चे क्या देख रहे हैं तो सेंसर बोर्ड का कोई मतलब नहीं है। आशा पारेख ने आगे कहा, हम बैठकर सेंसरशिप करते हैं, लेकिन उसके बावजूद कई चीजें निकल जाती हैं। मां-बाप बैठे हैं, बच्चे देख रहे हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसलिए पठान के लिए ये गलत हो रहा है क्योंकि फिलहाल हमारी इंडस्ट्री बुरे वक्त से गुजर रही है। तो अगर पिक्चर चलेगी नहीं, तो इंडस्ट्री मर जाएगी। इंडस्ट्री में एक पिक्चर के लिए कितने लोग काम करते हैं। उनकी रोजी रोटी सब चली जाएगी। अगर फिल्म इंडस्ट्री ही बंद हो जाएगी। अगर आप हर पिक्चर को बैन कर देंगे तो हम लोगों का क्या होगा। मुझे तो दुख होता है। ऐसी चीजें नहीं होना चाहिए। जब आशा जी से पूछा गया कि क्या वह इंडस्ट्री में कोई रोल ऐसा था, जिसे वह करना चाहती थीं। इस पर आशा जी ने कहा, ''मदर इंडिया' में जो नरगिस जी ने जो किरदार निभाया था, वो मुझे आज भी याद है। काश मुझे भी ऐसा रोल मिलता। इसके पीछे की वजह बताते हुए आशा पारेख ने कहा कि लोग औरतों को कमजोर समझते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं, जो फिल्म में बखूबी दिखाया गया है।

प्लास्टिक की जरूरत खत्म कर देगा यह मशरूम

प्लास्टिक आज दुनियाभर में चिंता का कारण बना हुआ है। वजह, इसे खत्म करना आसान नहीं। प्लास्टिक के केमिकल पर्यावरण के लिए भी बेहद हानिकारक होते हैं। इनसे इंसान, जानवरों, पौधों और सभी जीवित चीजों को नुकसान पहुंचता है। प्लास्टिक को जलाने और फेंकने पर जहरीले केमिकल्स का उत्सर्जन होता है। पर क्या यह संकट अब हमेशा के लिए खत्म होने वाला है? दरअसल, फिनलैंड के वैज्ञानिकों ने एक ऐसे वनस्पति की खोज कर ली है जो प्लास्टिक का विकल्प बन सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इससे मेडिकल उपकरण, बॉडी आर्मर तक बना सकते हैं और वह भी प्लास्टिक की तरह बेहद कठोर। वैज्ञानिकों के मुताबिक, मशरूम के एक विशेष समूह की पहचान की गई है जो आगे चलकर प्लास्टिक की जगह ले सकता है। फोम्स फोमेंटेरियस समूह के इस पौधे से मौजूदा समय में कई देशों में टिंडर और चमड़ा तैयार किया जाता है। पर नए रिसर्च में पता चला कि इसमें लाइफ चेंजिंग क्वालिटी हैं। यह फ्यूचरिस्टिक बॉडी आर्मर तक बना सकता है जो काफी सख्त होता है। इससे विमानों का एक्सलेटर, विंडशील्ड, फर्श कोटिंग आदि बनाने की भी क्वालिटी हैं। साइंस एडवांसेज जर्नल में पब्लिश स्टडी के मुताबिक, पेड़ों की सड़ी हुई छाल पर उगने वाला यह सख्त और घंटी के आकार का फंगस है। इंसान लंबे समय से इसका प्रयोग कर रहा है। जंगलों में जब आग लगाने की बात आती थी तो इसका इस्तेमाल किया जाता था। इसलिए इसे फायर स्टार्टर के रूप में भी जाना जाता है। टोपियों सहित कुछ कपड़ों को बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है। नए रिसर्च में फंगस के कुछ हिस्सों में प्लाईवुड या चमड़े जैसी ताकत वाली संरचना पाई गई है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह लकड़ी या प्लास्टिक की तरह कठोर है और काफी हल्का है। शोधकर्ता डॉ. पेजमैन मोहम्मदी ने कहा, हमने जो पाया वह बेहद आशाजनक है। इसे बहुत तेजी से डिजाल्व किया जा सकता है। दुनिया में प्लास्टिक की समस्या को यह काफी हद तक कम कर सकता है। इसमें एक बेहद कठोर बाहरी परत है। उसके बाद की परत स्पंजी और नरम है लेकिन अंदर की परत काफी मजबूत और सख्त है। इसका उपयोग हम फुटबॉल प्लेयर्स के लिए हेलमेट बनाने, अन्य खेल के उपकरण तैयार करने और यहां तक कि मेडिकल उपकरणों को बनाने में कर सकते हैं। इसमें और बदलाव किया जा सकता है। इसे और ताकतवर और यूजफुल बनाया जा सकता है।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे खतरनाक नदी

इस नदी के खौलते पानी से हो जाती है मौत

दुनिया का सबसे बड़ा जंगल अमेजन तमाम रहस्यों से भरा हुआ है। इसमें ऐसे तमाम रहस्य हैं जो इंसानों के चौंकाते हैं। अमेजन का जंगल कई अरब एकड़ में फैला हुआ है। बता दें कि अमेजन के जंगल से ही पूरी पृथ्वी पर जितनी ऑक्सीजन है उसका 20 फीसदी यहीं से निलती है। दुनिया का सबसे बड़ा अमेजन का जंगल अकेले ही नौ देशों की सीमाओं को छूता है। ऐसा भी कहा जाता है कि इस जंगल में ऐसे जीव-जंतू और अन्य चीजें मौजूद हैं। यही वजह है कि इस जंगल में ज्यादा अंदर तक जाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। इन्हीं में ऐसे एक हैं इस जंगल की नदी। जिसमें गिरने के बाद किसी के जिंदा बचने की उम्मीद खत्म ही हो जाती है। दरअसल, इस नदी का पानी उबलता रहता है।

ऐसा कहा जाता है कि अगर इसके पानी में गलती से भी कोई गिर जाए तो उसकी मौत लगभग तय है। बता दें कि पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने अब से दस साल पहले यानी सल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया कि, बचपन से ही उन्हें कई काल्पनिक नदियों की कहानियां सुनाई गई थी। जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है।

आंद्रे रूजो कहते हैं कि जब वो बड़े हुए तब भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रहती थी। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश की। लेकिन सबका जवाब नहीं में था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी ना हो। इस असमंजस की स्थिति में एक दिन वो अमेजन के जंगलों में पहुंच गए, जहां उन्हें अपनी काल्पनिक कहानी सच होती हुई नजर आई। उन्होंने आखिरकार ऐसी नदी को ढूंढ ही निकाला, जिसका पानी रहस्यमय तरीके से उबल रहा था।

रूजो के मुताबिक, इस नदी का पानी इतना गर्म है कि उससे आप चाय भी बना सकते हैं। आंद्रे रूजो कहते हैं कि अगर कोई इंसान या जीव-जंतु इस नदी के उबलते हुए पानी में गिर जाए, तो उसकी मौत भी हो सकती है। उन्होंने खुद कई छोटे जीवों को पानी में गिरते देखा था, जो तुरंत ही मर जाते थे। बताया जाता है कि नदी के पानी का तापमान करीब 80 डिग्री सेल्सियस रहता है।

एडवेंचर एंड डिस्कवरी इन द अमेजन नाम की एक किताब भी लिखी है। इस किताब में उन्होंने नदी के रहस्यों के बारे में बताया है। उनके मुताबिक, यह नदी प्रकृति का आश्चर्य है, जिसका पानी रहस्यमय तरीके से उबल रहा है।

सिसोदिया को रविवार को अरेस्ट कर लेगी सीबीआई : अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के सीएम ने कहा, गांव तक की सम्पत्तियों तक पर छापा मारा, लेकिन तलाशी में कुछ भी नहीं मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि डिप्टी मनीष सिसोदिया को रविवार को सीबीआई अरेस्ट कर लेगी। इसकी पुष्टि उनके सूत्रों ने की है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया है। हमारे सूत्र ने बताया कि रविवार को उनकी गिरफ्तारी होगी। यह बहुत दुखद है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने सिसोदिया के आवास पर छापा मारा और उनके बैंक लॉकरों की तलाशी ली, उनके कार्यालय पर छापा मारा, उनके गांव में संपत्तियों पर छापा मारा, लेकिन कुछ भी नहीं मिला।

दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए डिप्टी सीएम की सराहना करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने आजादी के 75 साल बाद इस देश के गरीब लोगों को उम्मीद दी है कि उनके बच्चों का भी भविष्य अच्छा हो सकता है। दिल्ली में गरीबों के बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और वकील बन रहे हैं। केजरीवाल ने दावा किया कि ऐसे व्यक्ति को झूठे मामले में फंसाकर बदनाम करने की साजिश रची गई है। केजरीवाल ने कहा कि वह सिसोदिया से पहली बार 29 दिसंबर 1999 को मिले थे, जब वह आयकर विभाग में काम कर रहे थे। यदि आप उन्हें झूठे मुकदमे में गिरफ्तार करके जेल में डाल देंगे, तो देश की प्रगति कैसे होगी? अगर किसी देश के राजा को जेल भेज दिया जाएगा, जो उस देश में गरीब बच्चों को शिक्षा देने वाला है तो फिर देश कैसे आगे बढ़ेगा।

भाजपा पार्षदों की शिकायत लेकर थाने पहुंचीं मेयर शैली

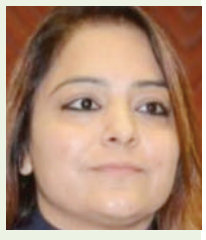

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में कल भी स्थायी समिति के लिए चुनाव नहीं हो सका। दिन भर हंगामा हुआ। पार्षदों में लड़ाई-हाथापाई हुई। महिला पार्षद भी भिड़ीं। अब सोमवार को फिर सदन की बैठक है। दिल्ली की नई मेयर शैली ओबरॉय दल-बल के साथ भाजपा पार्षदों की शिकायत करने थाने पहुंची हैं। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस सुरक्षा की मांग भी की है। शैने कहा कि जब मैं परिणाम घोषित करने वाली थी तो भाजपा पार्षदों का एक समूह विशेष रूप से अर्जुन मारवाह, चंदन चौधरी और रवि नेगी अन्य लोगों के साथ मंच पर आए और मेरी कुर्सी खींची और मुझे धक्का दिया। मैं नीचे गिर गई। हमने स्थायी समिति चुनाव के लिए भाजपा की मांगों पर सहमति व्यक्त की। जैसे ही मतगणना हुई, भाजपा पार्षदों ने देखा कि वे हार रहे हैं तो चिल्लाने लगे।

एलजी का सीधे आदेश लेना असंवैधानिक : आप सरकार

» दिल्ली सरकार का अधिकारियों को निर्देश- आदेश के बारे में संबंधित मंत्री को रिपोर्ट करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उपराज्यपाल से सीधे आदेश लेना बंद करें। साथ ही मंत्रियों ने अपने विभागों के सचिव को दिए निर्देश में कहा कि ट्रांजेक्शन ऑफ बिजनेस रूल्स का सख्ती से पालन करें। साथ ही एलजी से मिलने वाले किसी भी सीधे आदेश के बारे में संबंधित मंत्री को रिपोर्ट करें। सरकार का दावा है कि एलजी के ऐसे असांविधानिक आदेशों को लागू करना टीबीआर के नियम 57 का उल्लंघन माना जाएगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि एलजी की तरफ से दिया जाने वाला ऐसा कोई भी आदेश, संविधान और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है। संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को लागू कराने के लिए सरकार की ओर से गंभीरता से काम किया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि दिल्ली सरकार के पास केवल भूमि, पुलिस और सार्वजनिक आदेश जैसे तीन विषयों को छोड़कर बाकी सभी पर अधिकार है। इन तीन विषयों को 'आरक्षित' कहा जाता है, जबकि दिल्ली सरकार के नियंत्रण वाले बाकी विषयों को 'स्थानांतरित' कहा जाता है।

एलजी करें मंत्री से चर्चा

सरकार का कहना है कि नियम- 49 के मुताबिक एलजी को संबंधित मंत्री के साथ चर्चा और संवाद से किसी भी मतभेद को सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। अगर किसी समाधान पर नहीं पहुंचा जा सकता है तो एलजी इस मामले को मंत्रिपरिषद को भेजने का निर्देश दे सकते हैं। इसी तरह, नियम-50 एलजी और मंत्रिपरिषद के बीच मतभेद होने पर पालन की जाने वाली प्रक्रिया बताता है। एलजी को ऐसे मामले को केंद्र सरकार को भेजना चाहिए। सरकार के आदेश में कहा गया है कि पिछले कुछ महीनों में एलजी ने नियम 49 और 50 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना सीधे नियम 51 और 52 के तहत निर्देश जारी किए हैं।

हम आह भी भरते हैं तो पा जाते हैं नोटिस : नेहा सिंह राठौर

» बेरोजगारी गीत पर नोटिस जारी करने की चुनौती दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में तीन घंटे भर्ती होने के बाद वापस आईं नेहा ने ट्वीट कर कहा कि हम आह भी भरते हैं तो पा जाते हैं नोटिस, वो कत्ल भी करते तो चर्चा नहीं होती। उन्होंने अपने बेरोजगारी गीत को लेकर भी नोटिस जारी करने की चुनौती दी है। यूपी में का बा सीजन टू पर कानपुर पुलिस की नोटिस पाने वाली नेहा सिंह राठौर को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। पति के अनुसार ज्यादा साक्षात्कार के चलते दिक्कत हुई।

बीते दिनों कानपुर पुलिस ने नेहा के अंबेडकरनगर स्थित ससुराल और नई दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचकर उनके गीत को लेकर नोटिस थमाया था। इसके बाद से ही देश भर में समर्थन और विरोध के स्वर तेज हो चले हैं। इस बीच शुक्रवार को खबर आई कि नेहा की तबीयत बिगड़ गई है। दरअसल नेहा के सोशल मीडिया अकाउंट से अस्पताल में उनके भर्ती होने की फोटो पोस्ट हुई। इसमें लिखा गया कि डाक्टरों ने स्ट्रेस लेने से मना किया है। यह पोस्ट होते ही नेहा को लेकर चर्चाएं फिर बढ़ चलीं।

सीएम की सुरक्षा में तैनात हेड कांस्टेबल की गोली लगने से मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात हेड कांस्टेबल की उसके ही घर में संदिग्ध हालात में गोली लगने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम करीब सात बजे मसौली थाना क्षेत्र में ग्रीन गार्डेन सिटी में स्थित सिपाही के आवास पर हुई। देर रात पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटे थे। एसपी दिनेश कुमार सिंह का कहना है कि पिस्टल की सफाई करते वक्त गोली चलने की संभावना है। हर पहलू की जांच की जा रही है। अयोध्या जिले के इनायतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कदमपुर निवासी वेदप्रकाश यादव के पुत्र संदीप यादव (35) पुलिस विभाग में हेडकांस्टेबल थे और पिछले पांच साल से मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात थे। संदीप ने कुछ साल पहले मसौली थाना क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या हाईवे के बगल स्थित ग्रीन गार्डन सिटी में अपना मकान बनवाया था और यहीं पर उनकी पत्नी निशा व आठ साल की पुत्री अर्पिता रहती है। मकान में कुछ किरायेदार भी रहते हैं।

शाह की रैली से लौट रही बस को लगी टक्कर, 17 की मौत

» बेकाबू ट्रक ने 3 बसों को टक्कर मारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रीवा। मध्यप्रदेश के सीधी में चुरहट-रीवा नेशनल हाईवे पर शुक्रवार रात एक भीषण सड़क हादसे में 17 बस यात्रियों की मौत हो गई। 8 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि बाकी की मौत अस्पताल में हुई। रीवा और सीधी अस्पताल में कुल 60 यात्रियों को भर्ती कराया गया है। इनमें 10 की हालत गंभीर है। हादसा ट्रक का टायर फटने से हुआ। बेकाबू ट्रक ने तीन खड़ी बसों को पीछे से टक्कर मार दी।

सीधी एएसपी ने बताया कि अभी तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें 8 चुरहट अस्पताल, 2 सीधी अस्पताल, 5 रीवा मेडिकल कॉलेज में शव रखे गए हैं। 10 लोगों की शिनाख्त हो गई है, जबकि 5 की शिनाख्त नहीं हो सकी है। ये बसें सतना में हुए कोल समाज के महाकुंभ में शामिल होने के बाद सीधी लौट रही थीं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सीएम शिवराज सिंह भी शामिल हुए थे। सीएम शिवराज सीधी में थे। वे सूचना मिलते ही घटनास्थल बड़खरा गांव पहुंच गए।

ट्रक सीमेंट से भरा था

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 9 बजे मोहनिया टनल से कुछ दूरी पर यह हादसा हुआ। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से दो बसें 10 फीट गहरी खाई में गिर गईं। एक बस हाईवे पर ही पलट गई। ट्रक सीमेंट से भरा था, टक्कर के बाद पलट गया।

अश्विन के फिरकी में फंसेंगे कई रिकॉर्ड!

» तीसरे टेस्ट पर नजर: कपिल व अनिल कुंबले को पीछे छोड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंदौर में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन सिर्फ 2 विकेट चटकाते ही भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज कपिल यादव का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। उधर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 में भारतीय टीम शुरुआती दो टेस्ट मैच जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे चल रही है। दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 1 मार्च को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाना है। इस टेस्ट में भारतीय टीम के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन सिर्फ 2 विकेट हासिल करने के साथ ही पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

कपिल के 687 तो कुंबले के नाम है 111 टेस्ट विकेट

कपिल देव ने 687 इंटरनेशनल विकेट्स चटकाए है। ऐसे में अश्विन इंदौर टेस्ट में 2 सफलता हासिल कर कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे गेंदबाज बन जाएंगे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का कारनामा दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले के नाम है। जिन्होंने कुल 111 टेस्ट विकेट चटकाए हैं। ऐसे में अश्विन अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। इस वक्त अश्विन के नाम 103 टेस्ट विकेट दर्ज है।

मुश्किल दौर में माही ने बढ़ाया मेरा हौसला: विराट कोहली

भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली पिछले साल एशिया कप 2022 से पहले खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। उस समय उनके बल्ले से रन बनना मुश्किल नजर आ रहा था, लेकिन उन मुश्किल समय में उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और चुनौतियों का सामना किया। हाल ही में रन मशीन विराट का एक वीडियो आरसीबी ने अपने यूट्यूब अकाउंट के जरिए शेयर किया है, जिसमें किंग कोहली धोनी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बातचीत करते हुए नजर आ रहे है। दरअसल विराट कोहली ने इस पोडकास्ट के दौरान कहा कि वो एमएस धोनी ही थे जिन्होंने मेरी वाइफ अनुष्का के अलावा 2022 में मेरे मुश्किल दौर में मेरे से बात की और मेरे लिए धोनी के साथ एक सच्चा बॉंड होना किसी आर्शीवाद से कम नहीं है।

फोटो: सुमित कुमार

सदन का 6वां दिन आज सदन के 6वें दिन नेता सदन सीएम योगी के साथ सत्ता पक्ष के माननीयों की सदन में मौजूदगी रही तो वहीं नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव भी अपने साथी विधायकों के साथ पहुंचे। इस मौके पर जनसत्ता दल के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह सहित काफी संख्या में विधायकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सरकार कर रही जनता के अधिकारों पर हमला

कांग्रेस महाधिवेशन का दूसरा दिन, खरगे बोले-सेवा, संघर्ष और बलिदान, सबसे पहले हिंदुस्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चल रहे कांग्रेस महाधिवेशन में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार व भाजपा पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस फिर से पूरे देश में मोहब्त का पैगाम लेकर जाएगी लोगों को जोड़ेगी। खरगे ने कहा कि आज सत्ता में बैठे लोग जनता के अधिकारों पर हमला बोल रहे हैं, आज सबको 'सेवा, संघर्ष और बलिदान, सबसे पहले हिंदुस्तान का संकल्प लेना होगा। खरगे कांग्रेस महाधिवेशन के दूसरे दिन राहुल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने संघर्ष की मशाल जलाई और असंभव को संभव किया।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज कांग्रेस के महाधिवेशन का दूसरा दिन है। महाधिवेशन के दूसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तिरंगा फहराया। साथ ही महाधिवेशन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका भी पहुंचे हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने संघर्ष की मशाल जलाई और असंभव को संभव किया। खरगे ने कहा कि नोटबंदी एक ऐतिहासिक बेवकूफी थी, जिससे देश के छोट-मझोले कारोबार बर्बाद हो गए, कांग्रेस अध्यक्ष ने इसी के साथ कहा कि एक सामान्य इंसान कांग्रेस का अध्यक्ष बना। राहुल गांधी ने उम्मीद की रोशनी जगाई।

केंद्र और आरएसएस का सभी एजेंसियों पर कब्जा : सोनिया

रायपुर। सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। अधिवेशन के दूसरे दिन कांग्रेस नेता सोनिया ने कहा कि केंद्र सरकार और आरएसएस ने सभी स्वायत्त एजेंसियों पर कब्जा कर लिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी देश के लिए नहीं अपने मित्रों के लिए सत्ता चला रहे हैं। सोनिया ने इसी के साथ राहुल गांधी की तारीफ भी की।

भारत जोड़ो यात्रा मेरी राजनीतिक पारी का अंतिम पड़ाव

सोनिया ने यह भी कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा मेरी राजनीतिक पारी का अंतिम पड़ाव हो सकती है। सोनिया गांधी ने अपने भाषण में राहुल गांधी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि राहुल के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा ने बहुत अच्छा काम किया। सोनिया ने कहा कि जिस तरह से राहुल ने इस यात्रा में लोगों के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना वो काबिले तारीफ है। सोनिया ने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा लोग समानता, स्वतंत्रता और न्याय के लिए लड़ते हैं। हम लोगों की आवाज को आगे बढ़ाते हैं और उनके सपने पूरे करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारा रास्ता आसान नहीं है लेकिन हम जरूर जीतेंगे। सोनिया ने इसी के साथ कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है।

चीन से जमीन छीन कर वापस दिलाएंगे तभी समझेंगे 56 इंच की छाती है

खरगे ने कहा कि पीएम कहते हैं कोई घुसा नहीं, विदेश मंत्री कहते हैं कि हम चीन से लड़ नहीं सकते, क्योंकि वो बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि चीन से जमीन छीन कर अप्रैल 2020 की स्थिति वापस दिलाएंगे तभी समझेंगे कि आपकी 56 इंच की छाती है। खरगे ने कहा कि वो सभी दल जो बीजेपी, आरएसएस से लड़ने को तैयार है हम उन्हें साथ लेने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतों ने साजिश कर बेहद ईमानदार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बदनाम किया।

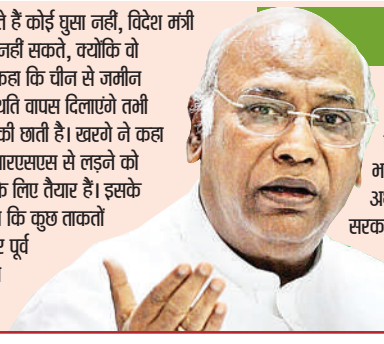

केंद्र सरकार देश को तोड़ने का षड्यंत्र रच रही

85वें महाधिवेशन में दिए अपने भाषण में कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर देश को तोड़ने का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि सरकार में बैठे लोगों का डीएन गरीब विरोधी है। उन्होंने मोदी सरकार पर नफरत का माहौल, महंगाई, बेरोजगारी और राष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति को लेकर तीखा प्रहार किया, खरगे ने विपक्षी एकजुटता की पैरवी करते हुए कहा, हम भारतीय जनता पार्टी को पराजित करने के लिए एक ठोस विकल्प देने के मकसद से समान विचार वाले दलों के साथ तालमेल करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के प्रजातंत्र को तोड़ने का षड्यंत्र रचा जा रहा है और कहा कि इसके खिलाफ आंदोलन करना होगा। खरगे ने कहा कि आज देश सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस महाधिवेशन को रोकने के लिए भाजपा सरकार ईडी का छापा मरवाया।

लालू की कार्यकर्ताओं से हुंकार
उखाड़ फेंकना है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» महागठबंधन की महारैली में जुटा विपक्ष

पूर्णिया। बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन पहली बार महारैली को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम लालू यादव ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार अनाज बांट कर वोट ले रही है। पूर्व राजद सुप्रीमो ने कहा बीजेपी सरकार जाने वाली है। उन्होंने कहा कि बीजेपी आरएसएस का मुखौटा है। उन्होंने सभी दलों से एकजुट होने की अपील की। इस अवसर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू ने बीजेपी के खिलाफ निडरता से लड़ाई लड़ी अब हम सबको एक जुट होकर मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना है।

इससे पहले कोसी-सीमांचल की राजधानी कहे जाने वाले पूर्णिया में महागठबंधन सरकार के तमाम दिग्गज एकजुट हो रहे हैं। कांग्रेस-वाम दलों समेत राष्ट्रीय जनता दल तैर जनता दल यूनाईटेड के प्रमुख भारी संख्या में मंच पर पहुंचे । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पौने एक बजे पहुंच गए।

रंगभूमि मैदान नीतीश-तेजस्वी मोदी सरकार के खिलाफ के लिए बिगुल फूंकेंगे। जानकार इसे महागठबंधन का शक्ति प्रदर्शन कह रहे। जदयू-राजद-कांग्रेस-वाम दल और हम के बड़े-बड़े नेता और कार्यकर्ता महारैली को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री की उपस्थिति में मंच के पास डी एरिया में घुसने के क्रम में महिलाओं ने पहले महिला सिपाहियों पर झंडे के डंडे चलाना शुरू कर दिए। इसके बाद अफरातफरी मची तो एक-दूसरे से भी गुत्थमगुत्थी करने लगीं।

सुकमा में नक्सलियों का हमला, तीन जवान शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में डीआरजी के तीन अधिकारी शहीद हो गए। मृतकों में एएसआई रामूराम नाग, सहायक कांस्टेबल कुंजम जोगा और सैनिक वंजम भीमा शामिल हैं।

» कुंदेड़-जगरगुंडा के बीच मुठभेड़

बस्तर के सुकमा जिले के जगरगुंडा में नक्सली मुठभेड़ के दौरान हमारे 3 वीर जवानों की शहादत का समाचार दुखद है। उधर छत्तीसगढ़ के सीएम ने जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति और परिवारजनों को हिम्मत दे। इस दुख में हम सब साथ हैं। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। डीआरजी की पार्टी नक्सल गस्त सर्चिंग पर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान जगरगुंडा व कुंदेड़ के मध्य पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में डीआरजी के 3 जवानों के शहीद होने और 2 जवानों के जख्मी होने की खबर है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।